



लोक सभा सचिवालय  
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध  
संसद भवन, नई दिल्ली  
LOK SABHA SECRETARIAT  
Press and Public Relations Wing  
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

**LOK SABHA SPEAKER PAYS TRIBUTES TO MAHATMA GANDHI AT HIS STATUE IN GENEVA/लोक सभा अध्यक्ष ने जिनेवा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए**

...

**LOK SABHA SPEAKER SHARES PERSPECTIVES WITH SPEAKERS OF WORLD PARLIAMENTS ON ISSUES OF PARLIAMENTARY INTEREST/लोक सभा अध्यक्ष ने जिनेवा में विभिन्न देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों के साथ संसदीय रुचि के मुद्दों पर विचार साझा किए**

...

**Geneva/New Delhi; 16 October, 2024:** Lok Sabha Speaker Shri Om Birla, who is leading an Indian Parliamentary Delegation (IPD) to the 149th Inter Parliamentary Union (IPU), paid tributes to Mahatma Gandhi at his statue in Geneva. On this occasion, he said that Mahatma Gandhi, an emblematic symbol of peace and nonviolence, continues to inspire leaders and nations around the world. He said that Mahatma's teachings transcend borders, reminding us that in the face of global challenges—be it climate change, gender equality, or conflicts—the path forward lies in unity, empathy, and collaboration.

Shri Birla also shared perspectives with Speakers of World Parliaments on issues of parliamentary importance and other areas.

Sharing thoughts with H.E. Mr. Eric NUSSBAUMER, President of the National Council, Switzerland, he recalled that last year India and Switzerland completed 75 years of Treaty of Friendship. He stressed on further strengthening bilateral relationship and cooperation at multilateral fora. Pitching for further strengthening parliamentary cooperation between the two countries, he said that it is an important dimension of the strong relations between the two countries. Expressing satisfaction with the increasing Swiss investment in India, Lok Sabha Speaker

hoped that this investment would augment further due to ease of doing business and massive infrastructure development in India during the recent years. He also acknowledged the role of the Swiss-India Parliamentary Friendship Group in furthering this bond.

Interacting with Mr. Mongkol Surasajja, President of the Senate of Thailand, Shri Birla shared thoughts on the multifaceted bilateral ties covering a wide spectrum of areas including trade and investment, connectivity; culture and tourism; education; science and technology; and people to people exchanges which define India-Thailand relations. Lok Sabha Speaker also highlighted the cultural, linguistic, and religious bonds that connect India and Thailand. Referring to the significance of Buddhism in strengthening bilateral ties, he noted that a large number of Thai pilgrims visit India in their spiritual pursuit. Highlighting the need for increased parliamentary ties, he invited MPs and officials of Thai Parliament to attend training courses at PRIDE.

In his interaction with Mr. Alen Simonyan, President of Armenia's National Assembly, he highlighted the friendly relations between India and Armenia, rooted in shared values and a deep sense of bonhomie among the people. He emphasized India's emergence as a land of opportunities, driven by political stability and the youthful population. This presents a compelling case for enhancing our trade and investment partnerships, he added. Shri Birla proposed mutually beneficial progress, in which both the countries could benefit from India's changing economic landscape by promoting partnership in the areas of trade and investment.

Speaking about the shared democratic values of the two countries, Shri Birla said that for a strong democracy, it is necessary to have a strong parliamentary system. Mentioning the recent Lok Sabha elections, Shri Birla said that this was the largest election process in the history of the world. He added that due to the participation of such a large number of people, Indian elections take the form of a festival.

During his meeting with Speaker, People's Majlis of Maldives, H.E. Mr. Abdul Raheem Abdulla, he noted that India and the Maldives have a historically close relationship that significantly contributes to the well-being of citizens in both countries. He expressed confidence that sharing best parliamentary practices would help improve the democratic systems. He also called for increased Maldivian participation in training programs organized by PRIDE, Lok Sabha Secretariat, as this collaboration would further promote democratic principles in both nations.

Noting that India has always been the 'first country to stand' to help Maldives in times of need, he opined that the relations between the two countries are nurtured by shared values of democracy. The partnership for development is a strong pillar of the relationship, he added. He also observed that in the last few years, whether at the top leadership level or at the delegation level, dialogue between the two countries has increased and cooperation has strengthened. The visit of the Honourable President of Maldives to India just a few days ago has taken relations between the two countries to a new level, Shri Birla noted.

Lok Sabha Speaker Shri Om Birla also met Shri Narayan Prasad Dahal, Chairperson of National Assembly of Nepal. Emphasizing that India and Nepal are not just neighbors but also custodians of shared history and culture, he underlined the profound emotional connect among the people that further strengthens the bond between the two countries. He also highlighted the need for mutually beneficial dialogue between the two Parliaments, underlining that purposive dialogues among the lawmakers are crucial for strengthening close relations as well as reinforcing democratic values. Shri Birla highlighted that Nepal holds a prominent place in India's "Neighborhood First" policy and reaffirmed India's dedication to strengthening special relationship in all areas.

**जिनेवा/नई दिल्ली; 16 अक्टूबर, 2024:** 149वीं अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) एसेंबली में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल का नेतृत्व कर रहे लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने जिनेवा में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शांति और अहिंसा के प्रतीक महात्मा गांधी से आज भी विश्व के नेताओं और राष्ट्रों को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि गांधीजी की शिक्षाएं देशकाल की सीमाओं से परे हमें याद दिलाती हैं कि जलवायु परिवर्तन, महिला - पुरुष समानता या संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान एकजुटता, संवेदनशीलता और सहयोग से ही किया जा सकता है।

लोक सभा अध्यक्ष ने विभिन्न देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों के साथ संसदीय रुचि के मुद्दों पर विचार साझा किए

स्विट्जरलैंड की नैशनल काउंसिल के प्रेसिडेंट, महामहिम श्री एरिक नसबामर के साथ बातचीत करते हुए, श्री बिरला ने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले साल भारत और स्विट्जरलैंड के बीच मैत्री संधि के 75 पूरे हुए। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों को और सुदृढ़ करने

और बहुपक्षीय मंच पर सहयोग बढ़ाए जाने पर जोर दिया। दोनों देशों के बीच संसदीय सहयोग को और मजबूत करने का आग्रह करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक महत्वपूर्ण आयाम है।

भारत में बढ़ते स्विस् निवेश पर संतोष व्यक्त करते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि हाल के वर्षों में भारत में व्यापार करने में आसानी और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे के विकास को देखते हुए निवेश में और वृद्धि होगी। उन्होंने भारत और स्विट्जरलैंड की घनिष्ठता को बढ़ाने में स्विस्-भारत संसदीय मैत्री समूह की सराहना की।

थाईलैंड की सीनेट के प्रेसिडेंट, महामहिम श्री मोंगकोल सुरसाज्जा से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश, संपर्क, संस्कृति और पर्यटन, शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, तथा लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों पर विचार साझा किए। लोक सभा अध्यक्ष ने भारत और थाईलैंड के बीच सांस्कृतिक, भाषाई और धार्मिक संबंधों की बात भी की। दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने में बौद्ध धर्म के महत्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि थाईलैंड से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री आध्यात्मिक यात्रा के लिए भारत आते हैं। संसदीय संबंधों को सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता के बारे में बात करते हुए उन्होंने थाई संसद के सदस्यों और अधिकारियों को PRIDE द्वारा आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया।

आर्मीनिया की नैशनल एसेंबली के प्रेसिडेंट, महामहिम श्री एलन सिमोनियन से बातचीत के दौरान श्री बिरला ने भारत और आर्मीनिया के बीच साझा मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के बीच गहरी मित्रता की भावना पर आधारित सौहार्दपूर्ण संबंधों के बारे में बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की आबादी युवा है और राजनीतिक स्थिरता होने के कारण यहाँ अपार अवसर हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की साझेदारी को बढ़ाने की संभावनाएँ हैं। श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में साझेदारी को बढ़ावा देकर भारत के बदलते आर्थिक परिदृश्य से लाभान्वित हो सकते हैं।

दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के बारे में बात करते हुए, श्री बिरला ने कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र के लिए एक सशक्त संसदीय प्रणाली का होना आवश्यक है। हाल ही में संपन्न हुए लोक सभा चुनावों का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि यह विश्व के इतिहास की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया थी। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी के कारण भारतीय चुनाव एक उत्सव के समान हैं।

मालदीव की पीपुल्स मजलिस के स्पीकर, महामहिम श्री अब्दुल रहीम अब्दुल्ला से मुलाकात के दौरान श्री बिरला ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं, जो दोनों देशों के नागरिकों के कल्याण में सहायक रहे हैं। लोक सभा अध्यक्ष ने विश्वास व्यक्त किया कि सर्वोत्तम संसदीय प्रथाओं को साझा करने से लोकतांत्रिक प्रणालियों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने लोक सभा सचिवालय के PRIDE संस्थान द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मालदीव की भागीदारी बढ़ाने की बात करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों में लोकतांत्रिक सिद्धांतों को और बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

इस बात का उल्लेख करते हुए कि ज़रूरत के समय भारत हमेशा से ही मालदीव की मदद करने वाला पहला देश रहा है, श्री बिरला ने कहा कि दोनों देश लोकतंत्र के साझा मूल्यों से जुड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि विकास के लिए साझेदारी दोनों देशों के संबंधों का मजबूत आधार रहा है। श्री बिरला ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, चाहे शीर्ष नेतृत्व स्तर पर हो या शिष्टमंडल स्तर पर, दोनों देशों के बीच संवाद बढ़ा है और सहयोग मजबूत हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ दिन पहले ही मालदीव के माननीय राष्ट्रपति की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों को नया आयाम मिला है।

लोक सभा अध्यक्ष ने नेपाल की राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष महामहिम श्री नारायण प्रसाद दहल से भी मुलाकात की। इस बात पर जोर देते हुए कि भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी देश हैं, बल्कि साझा इतिहास और संस्कृति के संरक्षक भी हैं, लोक सभा अध्यक्ष ने दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख किया जिसके कारण दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत हुए हैं। उन्होंने दोनों संसदों के बीच परस्पर लाभकारी संवाद की

आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सांसदों के बीच उद्देश्यपूर्ण संवाद से दोनों देशों के घनिष्ठ संबंध और मजबूत होने के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्य और सुदृढ़ होंगे। श्री बिरला ने यह भी कहा कि भारत की "नेबरहुड फ़र्स्ट" नीति में नेपाल का प्रमुख स्थान है। इसके साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों में दोनों देशों के विशेष संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।